तीन लोक के नाथ कैसे बनते हैं: मुनि पूज्यसागर महाराज

विनोद बैरागी, बबीना । नगर में 163 वर्षों के बाद श्री 1008 आदिनाथ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का शंखनाद संत शिरोमणी आचार्य श्री 108 सुधा सागर जी महाराज मुनि श्री 108 आध्यात्मिक संत सुव्रत सागर जी महाराज के पूर्ण आशीर्वाद से मुनि श्री प्रशान्त सागर जी महाराज के मंगल सानिध्य में आयोजन होगा गजरथ एवं विश्वशांति महायज्ञ का आयोजन 4 मार्च से 9 मार्च तक बड़ा तालाब के सामने रामलीला मैदान में आयोजित किया गया । जिसकी तैयारियाँ बड़े स्तर पर की जा रही है । इस दौरान संपूर्ण जैन समाज के प्रतिष्ठान बन्द रखने का प्रस्ताव रखा गया, जिसे समाज द्वारा सहर्ष स्वीकार किया गया । श्री 1008 पार्श्वनाथ जैन मन्दिर पर विशाल धर्म सभा को संबोधित करते हुए मुनि श्री 108 पूज्य सागरजी महाराज ने अपने धर्मामृत वचनों में कहा आप लोगों ने रंगों की होली बहुत खेली होगी, अब तो धर्म की होली खेलो फिर देखो कितना महत्वूपर्ण दिन होगा जब तीन लोक के नाथ कैसे बनते हैं । पाषाण को भगवान बनाने में सम्यकदर्शन प्राप्त हो जाता है । अपने वचनों को नाप तौल कर बोलो एक शब्द के कारण सीता माता को घर से जाना पड़ा, मर्यादा पुरूषोत्तम राम थे तब मर्यादा थी भगवान राम ने सीता माता का त्याग कर दिया । आज पंचम काल है कोई भी गड़ बड़ कर सकता है । भांति भांति के लोग है, इन सबको एक बनाना है, नेक बनाना है । सभी का सहयोग करना है जैसे श्रीराम को लंका जाना था तब पुल बनाना था । तब एक गिलहरी ने भी सहयोग । आज तक गिलहरी का नाम है । जैसे घड़ा बनाना है मिट्टी को ठोकना पीटना पडता है तब वह घड़ा बनता है इसी प्रकार फसल बोने से पहले किसान हल जोतता है जमीन तैयार करता है फिर बीज बोता है तब फसल आती है।

राजा श्रेयांस के यहां भगवान आदिनाथ को जन्म लेना था तो सोलह स्वप्न दिखाई दिये थे, जिसका फल आप सभी को पंचकल्याणक में देखने को मिलेगा । जिन्होंने साधना, तप, त्याग, तपस्या की है उसी का नाम पंचकल्याणक में आपने अपने धन को सद्उपयोग किया है तो आप धन्य हो जायेंगे । धर्म सभा का मंगलचरण नीता दीदी ललितपुर द्वारा किया गया संचालन महावीर जैन ने किया । इस मौके पर धर्मसभा के अध्यक्ष जैन समाज सिंघई महेन्द्र जैन सहित अनेक श्रेष्ठीजन मौजूद रहे ।

एक विवाह ऐसा भी...

श्री बाहुबली बहुउद्देशीय संस्था नागपुर के वरिष्ठ सदस्यों के प्रयास से सिर्फ दो दिवस में विवाह समारोह सादगीपूर्ण सम्पन्न । दिनांक 10 नवम्बर को नागपुर और इंदौर से अपने पूरे परिवार के साथ महावीरजी की यात्रा का उद्देश्य लेकर रवाना हुए, संस्था अध्यक्ष श्री अनिल जी VSR ने महावीरजी निवासरत श्री सुरेंद्र कुमार जी जैन की पुत्री के संबंध हेतु संस्था के वरिष्ठ सदस्य श्री नेमीचंदजी को श्री अनिलजी VSR ने चर्चा में बताया कि आपका भतीजा अर्पित जैन इंदौर में हैं हम उसके लिए महावीरजी में ही बच्ची देख लेंगे और यदि बच्ची पसंद आती है तो सगाई भी कर देंगे । श्री अनिलजी ने नेमीचंद जी से कहा कि क्यों ना एक कदम और बढ़ाया जाए यदि सारी चीजें ठीक-ठाक रहती है तो क्यों ना शादी ही कर ली जाए इस प्रस्ताव को नेमीचंद जी ने अपने परिवार से चर्चा के उपरांत स्वीकार किया और जो कार्यक्रम बच्ची देखने अथवा सगाई करने तक सीमित था उसी कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए विवाह समारोह में बदल दिया । सर्वप्रथम महावीरजी पहुंचने के बाद श्री सुरेंद कुमार जी की बड़ी बेटी चंचल को पूरे परिवार ने पसंद करते हुए दिनांक 11 नवम्बर को सगाई की रस्म पूरी की और अगले दिन महावीरजी क्षेत्र में ही शादी की सारी रस्में संम्पन्न हुई । इस विवाह समारोह में दोनों पक्षों के सभी रिश्तेदार बड़े उत्साह पूर्वक शामिल हुए और सिर्फ एक फोन पर ही सभी रिश्तेदारों ने रिजर्वेशन ना होते हुए भी अपनी उपस्थिति दर्ज कर नव दंपत्ति को आशीर्वाद देते हुए श्री सुरेंद कुमार जी को धन्यवाद दिया कि आपके कारण ही श्री महावीरजी की वंदना भी हो गई । यह अपने समाज के लिए एक अद्वितीय उदाहरण है । समाज के सभी सदस्य इस तरह से सोचे और शादी समारोह के इतने लंबे और खर्चीले कार्यक्रम को सीमित रूप से करें तो सभी का समय एवं पैसा दोनों की बचत संभव हो सकती है । श्री दिगंबर जैन बाहुबली बहुउद्देशीय संस्था के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ सदस्य बधाई के पात्र हैं ।

स्वर्णिम अवसर IAS, IPS, IRS बनने के लिए .....

प्रतिभाशाली ग्रेजुएट जैन छात्र-छात्राओं के लिए केंद्रीय लोक सेवा संघ एवं राज्य लोक सेवा द्वारा आयोजित परीक्षाओं की तैयारी हेतु JITO-JATF द्वारा रियायती दर पर कोचिंग, मार्गदर्शन, भोजन, आवास तथा पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध है इसमें सीटें सीमित है । ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए वेबसाइट www.jatfadmission.org रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 31-03-2018 !! प्रवेश परीक्षा की तिथि 15-04-2018

Bank Probationary officers(Asstt. Branch Manager) बनने के लिए स्वर्णिम अवसर-प्रतिभाशाली ग्रेजुएट जैन छात्र-छात्राओं के लिए Bank PO की परीक्षा की तैयारी हेतु ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए वेबसाइट www.jatfadmission.org रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 15-04-2018 प्रवेश परीक्षा की तिथि 29-04-2018

अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें 011-69000081/82/83

or www.jatf.in पर देखें

हार्दिक बधाई

यूएसए की नेल्सन बुक द्वारा जारी सूची में योग कैटेगरी में पहले स्थान पर रही 'संपूर्ण योग विद्या' – शहर के योग पुस्तकों के लेखक राजीव जैन

त्रिलोक की पुस्तक 'संपूर्ण योग विद्या' को माइंड, बॉडी एंड स्प्रिचुअलिटी कैटेगरी में भारत में नंबर एक बुक का खिताब मिला है । यूएसए की नेल्सन बुक द्वारा हर साल यह सूची जारी की जाती है, जिसमें हर देश की टॉप 5000 किताबों की लिस्टिंग जारी की जाती है । इसमें अलग-अलग कैटेगरी होती है ।

राजीवजी ने बताया कि साल 2010 में इस पुस्तक को राजभाषा पुस्तक सम्मान, रक्षा मंत्रालय द्वारा दिया गया था । इस पुस्तक की अप्रेल 2017 से लेकर दिसंबर 2017 तक देशभर में 8000 किताबें बिक चुकी हैं, यही वजह रही कि यह पुस्तक नंबर-1 के खिताब से नवाजी गई है । इस पुस्तक में योग के अलावा आसनों को करने के वैज्ञानिक कारण भी दिए गए हैं । किन बीमारियों में कौन सा योग करना है या नहीं यह तमाम जानकारियां भी इसमें समाहित की गई है ।

तपस्वी सम्राट आचार्य श्री सन्मति सागर पुरस्कार से डॉ. श्रेयांस जैन बड़ोत को राज्यपाल ने किया सम्मानित – चण्डीगढ़ । अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन शास्त्री परिषद के अध्यक्ष, देश के मूर्धन्य विद्वान डॉक्टर श्रेयांस कुमारजी जैन बड़ौत को 24 जनवरी 2018 को चंडीगढ़ (पंजाब) में परम पूज्य आचार्य श्री सुंदर सागर जी महाराज के परम सानिध्य में हरियाणा के राज्यपाल महामहिम प्रोफेसर कप्तान सिंह सोलंकी जी ने अपने कर कमलों से "**तपस्वी सम्राट आचार्य श्री सन्मति सागर पुरस्कार**" से सम्मानित किया । इस अवसर पर आचार्य श्री सुंदर सागर जी महाराज ने अपने आशीष वचन में डॉक्टर श्रेयांस कुमारजी बडौत द्वारा जैन संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए दिए जा रहे अवदान का उल्लेख किया और उन्हें मूर्धन्य जैन मनीषी बताया ।

नित्यता ने नेशनल चैंपियन को हराया – इंदौर । भुवनेश्वर में चल रही नेशनल स्कूल चेस चैंपियनशिप में इंदौर की 14 वर्षीय 1845 अंतराष्ट्रीय फिडे रेटिंग प्राप्त शतरंज खिलाड़ी नित्यता जैन ने अंडर 15 बालिका वर्ग के छठे राउंड में सफेद मोहरों से खेलते हुए 2017 की नेशनल अंडर 13 बालिका शतरंज चैंपियन ज्योत्सना एल. को हराया । ज्योत्सना नित्यता से एवं अंतराष्ट्रीय रेटिंग में 100 पॉइंट्स आगे है और इस चैंपियनशिप में टॉप सीडेड है । इसके पूर्व इसी खिलाड़ी से विगत नेशनल्स में नित्यता 2-3 बार हार चुकी है, लेकिन पूर्व में हुई गलतियों से सबक लेकर उसने इस बार उसने अच्छी तैयारी कर ओपनिंग से ही अपनी पोजीशन अच्छी कर ली थी, जिसके कारण ज्योत्सना ने 3 बार नित्यता को ड्रॉ ऑफर किया जिसे नित्यता ने ठुकराते हुए खेल जारी रखा और जीत हासिल की ।

हाल ही दिल्ली में संपन्न खेलो इंडिया समारोह में कु. एनी जैन को तैराकी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए केन्द्रीय खेल मंत्री श्री राजवर्धन सिंह ने सम्मान किया ।

कुन्द कुन्द ज्ञानपीठ पुरस्कार वर्ष 2015 के लिए निर्देशक मंडल के ए.ए. अब्बासी की अध्यक्षता में गठित 5 सदस्यीय निर्णायक मंडल की अनुशंसा के आधार पर समाज गौरव पं. लालचंदजी जैन 'राकेश', भोपाल को उनकी कृति 'सदलगा के संत एवं अन्य 31 कृतियों के लिए कुन्द कुन्द ज्ञान पीठ पुरस्कार प्रदान की घोषणा की गयी है । इस पुरस्कार के अंतर्गत नगद राशि, शाल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

आशीष का हुआ सम्मान – दिनांक 10 से 14 जनवरी तक पुणे के डेक्कन कॉलेज में तृतीय विश्व वेद एवं विज्ञान सम्मेलन का आयोजन हुआ इस कार्यक्रम के प्रमुख आयोजक - महाराष्ट्र सरकार, विज्ञान भारती पुणे, युनिवर्सिटी पुणे एवं डेक्कन यूनिवर्सिटी पुणे थी । इस आयोजन में नागपुर के आशीष प्रकाशचंद्र जैन का श्री भूवलयग्रंथ पर अपना प्रस्तुतीकरण दिया । पहले राउंड में लाइव प्रेजेंटेशन दूसरे राउंड में पॉवर पाइंट प्रेजेंटेशन और तीसरे राउंड में पोस्टर प्रजेंटेशन हुआ तीनो ही राउंड में निर्णायकों ने आशीष की प्रेजेंटेशन की सराहना की इस कार्यक्रम में परम सुपर कम्प्यूटर के जनक श्री विजय जी भटकर भी उपस्थित थे उन्होनें आशीष से लगभग 1 घंटे चर्चा की और नालंदा यूनिवर्सिटी में आगे की शोध के लिए आमंत्रित कर हर तरह के सहयोग का आश्वासन दिया । श्री भूवलय एक जैन ग्रंथ है किसकी रचना कन्नड़ भाषा में आचार्य कुंमदेन्दु ने की इस ग्रंथ राज में 720 लघु भाषाएं और 20 मुख्य भाषाओं का रूपांतरण करने की विधि है जो कि आज के समय में बहुत ही उपयोगी सिद्ध होगी लगभग 250 ग्रंथों का अलग अलग धर्मों से प्रस्तुतिकरण हुआ जिस में एकमात्र जैन ग्रंथ की प्रस्तुति आशीष जैन ने की और अजैन समाज में यह संदेश गया कि जैन धर्म बहुत ही प्राचीन है क्योंकि इस ग्रंथ की रचना सातवीं सदी में हुई है जबकि अजैन समाज जैन धर्म को भगवान महावीर के समय से अथवा बौद्ध धर्म के समकालीन मानती थी यह शंका वहां उपस्थित लोगों की दूर हो गई और उपस्थित जनमानस ने जैन धर्म के प्रति कृतज्ञता प्रकट कर आशीष जैन का आभार व्यक्त किया । संकलन - प्रकाशचंद जैन,

25वीं विवाह वर्षगांठ की हार्दिक शुभकामनाएँ

श्री राजीव-डॉ. रेखा जैन, भोपाल